ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन, जयपुर स्थित श्री सीमंधर जिनालय एवं त्रिमूर्ति जिनालय के नवीनीकरण के अवसर पर

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर द्वारा आयोजित

श्री आदिनाथ दिगम्बर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

21 से 27 फरवरी 2012

अग्रिम आमन्त्रण

महामहोत्सव के आकर्षण

- पंचकल्याणकों के लिए आदर्शभूत पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के साक्षी बनने का पावन अवसर।
- आध्यात्मिक सत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी एवं विशिष्ट विद्वानों के प्रवचनों का भरपूर लाभ।
- ज्ञान, भक्ति एवं अध्यात्म की त्रिवेणी का अद्भुत संगम।
- रत्नमयी जिनबिम्बों की प्रतिष्ठा देखने का अपूर्व अवसर।
- 750 से भी अधिक विद्वानों का ऐतिहासिक मेला।
- देश-विदेश के हजारों साधर्मियों का मंगल मिलन।

21 फरवरी, ध्वजारोहण
22-23 फरवरी, गर्भ कल्याणक
24 फरवरी, जन्म कल्याणक
25 फरवरी तप, कल्याणक
26 फरवरी, ज्ञान कल्याणक
27 फरवरी, मोक्ष कल्याणक

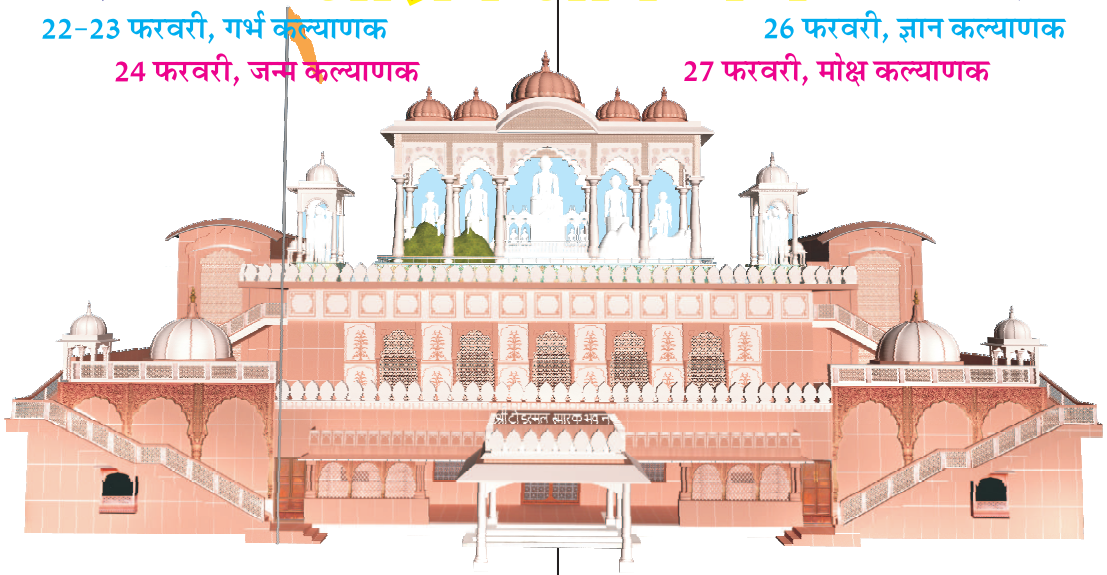

जन्माभिषेक कलशों का विवरण

1.	परमेष्ठी कलश	:	चर्चा द्वारा
2.	कुन्दकुन्द कलश	:	चर्चा द्वारा
3.	अमृतचन्द कलश	:	5 लाख
4.	टोडरमल कलश	:	1 लाख
5.	पंचरत्न कलश	:	51 हजार
6.	रत्नत्रय कलश	:	11 हजार
7.	स्वर्ण कलश	:	5100/-
8.	रजत कलश	:	2100/-
9.	ताम्र कलश	:	1100/-

सद्धर्म प्रेमी महानुभाव,

आपको सूचित करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आध्यात्मिक सत्पुरुष श्रीकानजी स्वामी द्वारा प्रदर्शित वीतरागी तत्त्वज्ञान के प्रचार-प्रसार में 45 वर्षों से निरंतर संलग्न हम सबके हृदयहार ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन स्थित श्री सीमंधर जिनालय एवं श्री त्रिमूर्ति जिनालय के नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत श्री सीमंधर जिनालय एवं त्रिमूर्ति जिनालय में रत्नमयी एवं श्वेत पाषाण के अनेक वीतराग भाववाही दिगम्बर जिनबिम्ब विराजमान होने जा रहे हैं।

इन प्रतिमाओं की विधिपूर्वक प्राण-प्रतिष्ठा हेतु श्री टोडरमल स्मारक भवन, जयपुर में एक भव्य एवं आदर्श पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन मंगलवार, दिनांक 21 फरवरी से सोमवार, दिनांक 27 फरवरी, 2012 तक अनेक मांगलिक कार्यक्रमों सहित होने जा रहा है।

श्री टोडरमल स्मारक भवन में 22 वर्षों बाद होने वाले इस आदर्श एवं ऐतिहासिक महामहोत्सव में सम्मिलित होने हेतु आप सभी को हार्दिक आमंत्रण है।

सम्पर्क :- श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-4, बापू नगर, जयपुर 302015 फोन-0141-2707458, 3103331 मो. 9785007504 ई-मेल info@ptst.in www.ptst.in www.facebook.com/ptst.jaipur

विशेष अनुरोध :- पत्रिका को पढ़कर मंदिर जी में या जहाँ सब देख सकें ऐसे योग्य स्थान पर अवश्य लगा देवें।